उत्तर भारत में कपास की फसल में नाशीजीव चेतावनी एवं प्रबंधन सलाह

****

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्-राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केंद्र, नई दिल्ली की कपास टीम द्वारा 27-28 जून2019 के दौरान पंजाब (फाजिल्का, मुक्तसर), हरियाणा (सिरसा) एवं राजस्थान (हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर) में कपास के खेतों का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण में पाया गया कि अधिकतर खेतों में सफ़ेद मक्खी व् हरा तेला (जेस्सिड) और थ्रिप्स की संख्या आर्थिक क्षति स्तर से कम है तथा 45 दिन से अधिक उम्र की फसल में कुछ खेतों में थ्रिप्स 50-100/3 पत्ती तक है। इसके अलावा क्रय्सोपरला मित्र कीट के अंडे व् लारवा 2-4 / पौधा मौजूद हैं। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि खेत की निगरानी जारी रखें और किसी भी घातक कीटनाशक के छिडकाव से बचें तथा जहाँ कीट की संख्या बढ़ रही है वहां नीम अज़ादिराक्तिन (1500 पी पी एम) एक लीटर/एकड़ की दर से छिडकाव करें।